आरबीआई के रिकॉर्ड लाभांश देने के एक सप्ताह के भीतर रेटिंग एजेंसी का फैसला

एसएंडपी ने 10 साल बाद भारत की सॉवरेन रेटिंग बढ़ाई, अब सकारात्मक

नई दिल्ली। मोदी सरकार के आर्थिक प्रबंधन की सराहना करते हुए एसएंडपी ने 10 साल बाद भारत की सॉवरेन रेटिंग परिदृश्य यानी साख को 'स्थिर' से बढ़ाकर 'सकारात्मक' कर दिया है। मजबूत विकास, पिछले पांच वर्षों में सार्वजनिक खर्च की बेहतर गुणवत्ता और सुधारों एवं राजकोषीय नीतियों में व्यापक निरंतरता की उम्मीद से सॉवरेन रेटिंग बढ़ाई गई है। हालांकि, अमेरिकी एजेंसी ने इसे सबसे निचली निवेश श्रेणी रेटिंग 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा है। एजेंसी ने इससे पहले 2014 में रेटिंग परिदृश्य को 'नकारात्मक' से बढ़ाकर 'स्थिर' किया था।

रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि भारत के लिए सॉवरेन रेटिंग परिदृश्य को 'स्थिर' से संशोधित कर 'सकारात्मक' किया गया है। इसके साथ ही, 'बीबीबी-' दीर्घकालिक और 'ए-3' अल्पकालिक विदेशी एवं स्थानीय मुद्रा सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की है।

एसएंडपी का यह फैसला आरबीआई की ओर से केंद्र सरकार को रिकॉर्ड 2.10 लाख करोड़ रुपये का लाभांश देने के एक सप्ताह के भीतर आया है। माना जा रहा है कि नई सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए इस रकम का इस्तेमाल कर सकती है। एजेंसी

...तो दो साल में बढ़ सकती है देश की साख

एजेंसी ने कहा, भारत सतर्क राजकोषीय व मौद्रिक नीति अपनाता है, जिससे सरकार के बढ़े कर्ज एवं ब्याज में कमी आती है और आर्थिक मोर्चे पर जुझारू क्षमता बढ़ती है तो वह दो साल में भारत की साख बढ़ा सकती है।

घटाना होगा कर्ज

- ***साथ ही, भारत को सरकारी कर्ज को संरचनात्मक आधार पर जीडीपी के सात फीसदी से नीचे लाना होगा।***

इसलिए, सकारात्मक किया गया परिदृश्य

भरोसा

एसएंडपी ने कहा, भारत के प्रति हमारा सकारात्मक दृष्टिकोण इसकी मजबूत आर्थिक वृद्धि, सरकारी खर्च की गुणवत्ता में स्पष्ट सुधार और राजकोषीय मोर्चे पर राजनीतिक प्रतिबद्धता जैसे कारकों पर आधारित है। हमारा मानना है कि ये कारक मिलकर कर्ज परिदृश्य लाभ पहुंचा रहे हैं।

सकारात्मक परिदृश्य हमारे इस दृष्टिकोण को भी प्रतिबिंबित करता है कि निरंतर नीतिगत स्थिरता, गहन आर्थिक सुधार और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में उच्च निवेश भारत की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को बनाए रखेंगे।

तीनों एजेंसियों ने दी हैं सबसे खराब निवेश रेटिंग

सभी तीन प्रमुख वैश्विक रेटिंग एजेंसियों एसएंडपी, फिच और मूडीज ने भारत को सबसे निम्नतम निवेश ग्रेड रेटिंग दी है। वहीं, फिच और मूडीज ने अपनी रेटिंग पर अब भी 'स्थिर' परिदृश्य बरकरार रखा है।

रेटिंग यानी साख बढ़ने के फायदे

सॉवरेन रेटिंग किसी देश के निवेश परिदृश्य के जोखिम स्तर को मापने का साधन है। यह निवेशकों को देश की कर्ज चुकाने की क्षमता बताता है।

- कई देश जरूरतों के लिए कर्ज लेते हैं। निवेशक कर्ज देने से पहले सॉवरेन रेटिंग ही देखते हैं।
- ज्यादा रेटिंग पर कम जोखिम माना जाता है और कम ब्याज पर कर्ज मिल जाता है।
- भारत के संदर्भ में देखें तो साख बेहतर होने से विदेशी कंपनियों का भरोसा और मजबूत होगा।
- विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में निवेश और बढ़ाएंगे।

ठोस वृद्धि का सूचक : *एसएंडपी का भारत की रेटिंग को सकारात्मक करना आने वाले वर्षों के लिए मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। देश मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।*
-निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री